StudentBounty.com

नमूने के प्रश्न-पत्र की योजना

कक्षा - XII

विषय - अनिवार्य हिन्दी

अवधि - 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक** - 80 अंक

1. उद्देश्य हेतु अंकभार -

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	12	15 %
2.	अवबोध अर्थग्रहण	26	32.5 %
3.	ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति	32	40 %
4.	कौशल/मौलिकता	10	12.5 %
	योग	80	100 %

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार -

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत		प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित
1.	वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पात्मक	—	—	—		—	—
2.	अतिलघूत्तरात्मक	—	—	—		—	—
3.	लघूत्तरात्मक-I	21	2×17, 1½×4	40	50%	67.76%	80 मिनट
4.	लघूत्तरात्मक-II	5	3×5	15	18.75%	16.12%	30 मिनट
5.	निबंधात्मक	6	7, 4×3, 3×2	25	31.25%	16.12%	60 मिनट
	योग	32		80		100%	170 मिनट

प्रश्न पत्र पठन- 15 मिनट
पुनरावलोकन :- 10 मिनट
कुल योग:- 195 मिनट

3. विषयवस्तु का अंकभार -

क्र.सं.	विषयवस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1.	अपठित गद्यांश व अपठित पद्यांश	8 + 8 = 16	20%
2.	निबन्ध	7	8.75%
3.	रिपोर्ट	4	5%
4.	विविध माध्यम के लिए लेखन स्वरूप	4	5%
5.	आलेख	4	5%
6.	फीचर	3	3.75%
7.	आरोह-काव्यांश	15	18.75%
8.	आरोह-गद्यांश	15	18.75%
9.	वितान	12	15%
	योग	80	100%

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा - XII | विषय :- हिन्दी अनिवार्य | पूर्णांक-80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/ उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति					कौशल/मौलिकता				योग
		बहु. वि.	अति लघु	लघु SA1	लघु SA2	निबं.	बहु. वि.	अति लघु	लघु SA1	लघु SA2	निबं.	बहु. वि.	अति लघु	लघु SA1	लघु SA2	निबं.	अति लघु	लघु SA1	लघु SA2	निबं.	
1.	अपठित पद्यांश व अपठित गद्यांश	–	–	5(2)	–	–	–	–	5(4)	–	–	–	–	6(2)	–	–	–	–	–	–	16(8)
2.	निबन्ध	–	–	–	–	–	–	–	–	–	2(–)	–	–	–	–	3(1)	–	–	–	2(–)	7(1)
3.	रिपोर्ट	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1(1)	–	–	–	–	2(–)	–	–	–	1(–)	4(1)
4.	विविध माध्यम के लिए लेखन स्वरूप	–	–	–	–	2(–)	–	–	–	–	2(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	4(1)
5.	आलेख	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1(–)	–	–	–	–	2(1)	–	–	–	1(–)	4(1)
6.	फीचर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	2(1)	–	–	–	1(–)	3(1)
7.	आरोह काव्यांश	–	–	1(1)	–	–	–	–	7(5)	–	–	–	–	7(2)	–	–	–	–	–	–	15(8)
8.	आरोह गद्यांश	–	–	1(–)	2(–)	–	–	–	2(2)	3(2)	–	–	–	3(1)	2(1)	–	–	–	–	2(–)	15(6)
9.	वितान	–	–	1(–)	2(1)	–	–	–	1(1)	1(1)	1(1)	–	–	1(1)	2(–)	1(–)	–	–	1(–)	1(–)	12(5)
		–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	योग	–	–	8(3)	4(1)	2(–)	–	–	15(12)	4(3)	7(3)	–	–	17(6)	4(1)	10(3)	–	–	1(–)	8(–)	80(32)
	कुल योग	14(4)					26(18)					31(10)					9(–)				80(32)

विकल्पों की योजना:– प्र. सं. 3 से 15 तक एकान्तिक आंतरिक विकल्प हैं। नोट: कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

विशेष नोट: प्रश्न पत्र में क, ख, ग, घ खण्डों में मूल प्रश्नों की कुल संख्या 15 है परन्तु उप विभाजन के आधार पर कुल 32 प्रश्न हैं।

StudentBounty.com

StudentBounty.com

नमूने का प्रश्नपत्र

कक्षा – 12

विषय–हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 80

निर्देशः-

1. कृपया जांच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ एवं 15 मूल प्रश्नों के उप विभाजित 32 प्रश्न है।
2. प्रश्न-पत्र वितरण के बाद 15 मिनट प्रश्न-पत्र पढ़ने व समझने के निर्धारित हैं। यदि परीक्षार्थी समय से पूर्व प्रश्न-पत्र पढ़ लेता है तो वह प्रश्न-पत्र हल करना प्रारम्भ कर सकता है।
3. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
4. उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द सीमा में ही सुपाठ्य लिखें।
5. जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड—क

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2×4=8

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है।)

आओ, मिलें सब देश बांधव हार बनकर देश के,
साधक बनें, सब प्रेम से सुख शान्तिमय उद्देश्य के।
क्या साम्प्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो।
रक्खो परस्पर मेल, मन से छोड़कर अविवेकता,
मन का मिलन ही मिलन है, होती उसी से एकता।
सब बैर और विरोध का बल-बोध से वारण करो।
है भिन्नता में खिन्नता ही, एकता धारण करो।
है कार्य ऐसा कौन-सा साधे न जिसको एकता,
देती नहीं अद्भुत अलौकिक शक्ति किसको एकता।
दो एक एकादश हुए किसने नहीं देखे सुने,
हाँ, शून्य के भी योग से हैं अंक होते दस गुने।

(क) कवि ने भारत की साम्प्रदायिक विविधता की तुलना किससे की है ? 2
(ख) सच्ची एकता किस प्रकार होती है ? 2
(ग) 'दो एक एकादश हुए' से कवि का क्या आशय है ? 2
(घ) एकता को बनाये रखने के लिए क्या करना आवश्यक है ? 2

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2×4=8

(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

आज देश स्वतंत्र है। हमें अपनी शक्ति की वृद्धि करनी है, जिससे हमारी स्वतंत्रता की रक्षा हो सके। आये दिन ऐसे संकट हमें चुनौती देते रहते हैं, जिनसे निपटने के लिए एक शक्तिशाली सेना की आवश्यकता है। यदि विद्यालयों में ही देशसेवा की यह भावना दृढ़ हो जाय तो भविष्य के लिए बड़ी तैयारी हो सकेगी। प्राचीनकाल में आश्रमों में वेद-शास्त्रों के साथ-साथ अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा दी जाती थी । सैनिक शिक्षा से शारीरिक-शक्ति के साथ मानवीय गुणों का भी विकास होता है। सेवा, तत्परता, परिश्रमशीलता एवं निर्भयता आदि गुण इस दशा में अपने आप आ जाते हैं।

(क) हमें अपनी शक्ति की वृद्धि क्यों करनी चाहिए? 2
(ख) 'आज देश स्वतंत्र है'—यह किस प्रकार का वाक्य है? 2
(ग) 'शारीरिक' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइए। 2
(घ) गद्यांश का शीर्षक लिखिए। 2

StudentBounty.com

खण्ड—ख

प्रश्न 3. निम्नांकित विषयों में से किसी एक पर विषय की महत्ता एवं प्रासंगिकता को दर्शाते हुए लगभग 350 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए— 7

(क) कम्प्यूटर शिक्षा—आधुनिक समय की आवश्यकता

(ख) राष्ट्रभाषा हिन्दी—राष्ट्र का गौरव

(ग) राजस्थान के पर्व

(घ) आतंकवाद—एक वैश्विक समस्या

(ङ) मानवता के लिए चुनौती—कन्या भ्रूणहत्या।

प्रश्न 4. आपके विद्यालय को जोड़ने वाले आसपास के रास्तों तथा सड़कों की दुर्व्यवस्था अथवा विद्यालय में आयोजित रक्त दान शिविर पर समाचार-पत्र में भेजने हेतु एक रिपोर्ट लिखिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द है।) 4

प्रश्न 5. निम्न में से किसी एक विषय पर लिखिए—(उत्तर सीमा 80 शब्द है।) 4

(क) पत्रकारीय लेखन से क्या आशय है? यह साहित्यिक लेखन से किस प्रकार भिन्न है?

(ख) मीडिया की भाषा में बीट किसे कहते हैं? टिप्पणी लिखिए।

(ग) जनसंचार का कोई एक माध्यम सबसे अच्छा होता है — इस कथन की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपने शब्दों में आलेख लिखें—(उत्तर सीमा 80 शब्द है।) 4

(क) उपेक्षित वृद्धावस्था

(ख) शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाये जाने के परिणाम

(ग) नशे की लत में जकड़ता युवा वर्ग।

प्रश्न 7. निम्न में से किसी एक विषय पर फीचर लेखन कीजिए—(उत्तर सीमा 80 शब्द है।) 3

(क) मोबाइल केन्द्रित जीवन

(ख) शहर में बढ़ता प्रदूषण

(ग) कृषकों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति।

खण्ड—ग

प्रश्न 8. अधोलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $2 \times 4 = 8$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है।)

अट्टालिका नहीं है रे
आतंक-भवन
सदा पंक पर ही होता
जल-विप्लव-प्लावन,
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से
सदा छलकता नीर,
रोग-शोक में भी हँसता है
शैशव का सुकुमार शरीर।
रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल
त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर
ए विप्लव के वीर !

StudentBounty.com

(क) 'सदा पंक पर ही होता जल विप्लव-प्लावन' का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) धनी वर्ग क्रान्ति से भयभीत क्यों रहता है ? 2

(ग) किसान के शरीर की बुरी अवस्था किसके कारण है ? 2

(घ) कृषक अधीर होकर किसे बुला रहा है और क्यों? 2

अथवा

अधोलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2×4 = 8

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है।)

हरषि राम भेंटेउ हनुमाना। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना॥
तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई॥
हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता॥
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा॥
यह वृतांत दसानन सुनेऊ। अति विषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ॥
ब्याकुल कुंभकरन पहि आवा। विविध जतन करि ताहि जगावा॥
जागा निसिचर देखिअ कैसा। मानहुँ कालु देह धरि बैसा॥
कुंभकरन बूझा कहु भाई। काहे तव मुख रहे सुखाई॥
कथा कही सब तेहि अभिमानी। जेहि प्रकार सीता हरि आनी।।

(क) दशानन को कौन-सा वृत्तांत ज्ञात हुआ जिससे वह अत्यधिक विलाप करने लगा? 2

(ख) वैद्य ने क्या उपाय किया जिससे लक्ष्मण हर्षित होकर उठ बैठे? 2

(ग) हनुमान वैद्य सुषेण को लंका से किस प्रकार लाए थे? 2

(घ) रावण ने अभिमानपूर्वक अपने किस कार्य को कुंभकर्ण को सुनाया? 2

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2×2=4

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है।)

नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो,
और...........
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है।

(क) उपर्युक्त पंक्तियों का भाव-सौन्दर्य लिखिए। 2

(ख) कवि शमशेर बहादुर सिंह की उपमान योजना को उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर समझाइए। 2

अथवा

निम्नांकित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2×2=4

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है।)

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हो जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,
मैं वह खण्डहर का भाग लिए फिरता हूँ।

(क) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित किए गए भावों को बतलाइए । 2

StudentBounty.com

(ख) उपर्युक्त काव्यांश के कला-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न 10. पठित कविताओं की विषयवस्तु से सम्बन्धित दिए गए तीन प्रश्नों में से कोई दो प्रश्न कीजिए।

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द है।) 1½×2=3

(क) ऐसा कब और क्यों प्रतीत होता है कि पृथ्वी बालकों के पैरों के समीप स्वयं ही घूमती चली आती है ? पतंग कविता के आधार पर समझाइए। 1½

(ख) "बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे" फिराक गोरखपुरी ने रक्षाबंधन के लच्छों अर्थात् धागों को बिजली की तरह चमकीला क्यों बताया है ? 1½

(ग) "कल्पना के रसायनों को पी, बीज गल गया नि:शेष"—छोटा मेरा खेत—कविता की उपरिलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए। 1½

प्रश्न 11. निम्नांकित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2×3=6

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है।)

सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है- नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी । पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी । वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं । केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया, पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ । उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसीलिए जब मैंने कंठी-माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन—जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्गद् हो उठी।

(क) भक्तिन को हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली किस प्रकार बतलाया गया है ? 2

(ख) "जीवन में कभी-कभी अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है"—इस कथन का आशय अपने मौलिक उत्तर द्वारा समझाइए। 2

(ग) लक्ष्मी अपना नाम भक्तिन पाकर गद्गद् क्यों हो उठी ? 2

अथवा

निम्नांकित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है।)

इन बातों को आज पचास से ज़्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज हैं । कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं, पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है । अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है । हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं, पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

(क) 'त्याग का कहीं नाम निशान नहीं'—इस विचार को पठित गद्यांश के आधार पर समझाइए।

(ख) भ्रष्टाचार की मात्र बातें न करके यदि प्रत्येक व्यक्ति आत्मचिंतन करे तो समाज में क्या बदलाव आ सकता है ?

(ग) "काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है", इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 12. पठित गद्य-अध्यायों की विषयवस्तु पर आधारित निम्न चार प्रश्नों में से कोई भी तीन प्रश्न कीजिए—

(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द है।) 3×3=9

(क) 'वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं'— ''बाजार-दर्शन'' अध्याय के आधार पर बताइए कि 'वे लोग' किसके लिए कहा गया है और वे बाजारूपन कैसे बढ़ाते हैं ?

(ख) ''गुरुजी कहा करते थे कि जब मैं मर जाऊँ, तो मुझे चिता पर चित नहीं, पेट के बल सुलाना,'' ये शब्द लुट्टन पहलवान के जीवन के कौन-से पक्ष को उद्घाटित करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

StudentBounty.com

(ग) 'शिरीष के फूल' से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? 'शिरीष के फूल' नामक अध्याय के आधार पर समझाइए।

(घ) डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी के क्या कारण बताए हैं ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—घ

प्रश्न 13. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 3×2=6

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द है।)

(क) "हमारा तो सैप ही ऐसा ठहरा'—हमें तो यही परम्परा विरासत में मिली है—यशोधर जी द्वारा कथित इस नारे से उनकी पत्नी क्यों चिढ़ती थी ? 2

(ख) 'जूझ' के लेखक आनन्द यादव को यह किस प्रकार विश्वास हुआ कि वे भी कविता कर सकते हैं ? 2

(ग) कुलधरा कहाँ स्थित है और लेखक को मुअनजो-दड़ो के घरों के खण्डहरों में टहलते हुए उसकी याद क्यों आ गई ? 2

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए— 1½×2=3

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द है।)

(क) मुअनजो-दड़ो सभ्यता में कुण्ड का पानी रिस न सके और अशुद्ध पानी कुण्ड में न आए, इसके लिए क्या प्रबन्ध किया गया था ? 1½

(ख) "प्रकृति गरीब-अमीर के बीच कोई भेदभाव नहीं करती," 'डायरी के पन्ने' अध्याय में दिए गए इस विचार से आपकी सहमति या असहमति तर्क सहित दीजिए। 1½

(ग) यशोधर जी स्वयं को समाज का सम्मानित बुजुर्ग माने जाने के लिए क्या-क्या कार्य करते हैं ? 1½

प्रश्न 15. विषयवस्तु पर आधारित दिए गए दो प्रश्नों में से कोई एक निबंधात्मक प्रश्न कीजिए। 3×1=3

(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द है।)

"शिक्षा, काम तथा प्रगति ने औरतों की आँखें खोली हैं," "डायरी के पन्ने" अध्याय के इस कथन की समीक्षा वर्तमान समाज की नारी को देखते हुए कीजिए।

अथवा

निम्न मध्यमवर्गीय ग्रामीण परिवेश का किशोर प्रतिकूल परिस्थितियों में आगे बढ़ना चाहता है—इस कथन की समीक्षा 'जूझ' आत्मकथात्मक उपन्यास के अंश के आधार पर कीजिए।

●●

StudentBounty.com

नमूने के प्रश्न-पत्र

उत्तर तालिका

हिन्दी अनिवार्य कक्षा — 12

खण्ड-क

1. (क) भारत एक ऐसा देश है जिसमें विभिन्न सम्प्रदायों के मानने वाले मिल-जुलकर रहते हैं। कवि ने भारत की इस साम्प्रदायिक एकता की तुलना अनेक प्रकार के फूलों से बनी हुई माला से की है।
   (ख) सच्ची एकता मन के विवेकपूर्ण मिलन से होती है। साम्प्रदायिक भेद होने पर भी भारतीयों की एकता सदा बनी रही है। अविवेक का त्याग करके सच्चे मन से मिलने से ही एकता स्थापित होती है।
   (ग) 'दो एक एकादश हुए' में कवि ने ''एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं' मुहावरे का काव्यात्मक प्रयोग किया है। इसका आशय है-एकता से देश और समाज की शक्ति बढ़ती है।
   (घ) भिन्नता से सदा ही दु:ख मिलता है। अत: एकता को बनाये रखने के लिए सब बैर और विरोध को दृढ़तापूर्वक त्याग देना चाहिए और भिन्नता से बचना चाहिए। 2×4=8
2. (क) हमारी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए।
   (ख) साधारण वाक्य
   (ग) मूल शब्द-शरीर, प्रत्यय-इक
   (घ) गद्यांश का शीर्षक-सैनिक शिक्षा का महत्व, वर्तमान युग में सैनिक शिक्षा की आवश्यकता तथा सैनिक शिक्षा से सद्‌गुणों का विकास एवं राष्ट्र-प्रेम एवं सैनिक शिक्षा जैसे शीर्षक स्वीकार्य। 2×4=8

खण्ड-ख

3. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर विद्यार्थियों द्वारा विषय की महत्ता एवं प्रासांगिकता को दर्शाते हुए सारगर्भित एवं व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करते हुए लिखे गए निबन्ध स्वीकार्य। 7
4. विद्यार्थियों द्वारा दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर समाचार पत्र में भेजने हेतु लिखी गई तथ्यात्मक रिपोर्ट स्वीकार्य। 4
5. विविध माध्यम के लिए लेखन स्वरूप पर लिखित मैटर स्वीकार्य। 4
6. वर्तमान समय में विषय की महत्ता को प्रकट करते हुए विचारोत्तेजक आलेख स्वीकार्य। 4
7. फीचर पाठक वर्ग में विचारों की परिपक्वता हेतु, शिक्षा देने के लिए तथा कभी-कभी विषयानुसार मनोरंजन भी प्रदान करने हेतु लिखा जाता है। इन्हीं विचारों के परिप्रेक्ष्य में दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर परीक्षार्थियों द्वारा लिखे गए फीचर स्वीकार्य। 3

खण्ड-ग

8. (क) इसका आशय यह है कि क्रान्ति जैसी घटना सदैव समाज के छोटे कहे जाने वाले दलित वर्ग द्वारा ही घटित की जाती है। इस भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।
   (ख) धनी वर्ग क्रान्ति से भयभीत इसलिए रहता है कि उसे लगता है कि क्रान्ति के कारण उनकी आतंक से एकत्रित धन सम्पदा क्रान्ति रूपी बाढ़ में बह जाएगी। इस भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।
   (ग) किसान की जर्जरित शारीरिक अवस्था पूँजीपति एवं साहूकारों द्वारा किए गए शोषण के कारण है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।
   (घ) कृषक अधीरता पूर्वक क्रान्ति के प्रतीक बादल को बुला रहा है ताकि वह आकर उसे पूँजीपतियों के शोषण से मुक्ति दिला सके। इन्हीं विचारों से युक्त उत्तर स्वीकार्य। 2×4=8

StudentBounty.com

अथवा

(क) लक्ष्मण की मूर्छा दूर होने व लक्ष्मण के जीवित रहने का वृतांत सुनकर रावण अत्यंत विलाप करने लगा क्योंकि अब उसे राक्षस कुल का अन्त समीप ही दिखाई देने लगा था। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ख) वैद्य सुषेण ने हनुमान द्वारा लाई गई संजीवनी बूटी से दवा बनाकर तुरन्त लक्ष्मण जी को सेवन कराया जिससे लक्ष्मण जी की मूर्छा दूर हो गई।

(ग) हुनमान वैद्य सुषेण को उनके घर सहित ही लंका से उठा लाए थे।

(घ) सीता हरण का अपना निकृष्ट कार्य रावण ने अभिमान पूर्वक कुंभकर्ण को सुनाया।

9. (क) कवि ने नीले स्वच्छ आकाश तथा सूर्य के श्वेत प्रकाश का अत्यधिक सुन्दर चित्रण किया है। प्रातःकालीन नीला स्वच्छ आकाश कवि को नीले जल का आभास करा रहा है जिसमें उज्ज्वल गौर वर्ण वाली कोई नायिका स्नान कर रही हो और उसका शरीर जल में झिलमिलाता हुआ दिखाई दे रहा हो। प्रकृति पर मानवीय भावों का सुन्दर आरोपण हैं। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ख) उपमान योजना–'नीला जल–नीला आकाश रूपी नायक' तथा उषा 'गौर वर्ण की झिलमिलाती देह वाली नायिका' के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह उपमान योजना रूढ़िगत उपमानों से अलग हटकर है। इस लिए अत्यधिक सुन्दर बन पड़ी है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य। $2\times2=4$

अथवा

(क) भाषा सौन्दर्य– कवि अपनी पीड़ा में सम्पूर्ण सृष्टि के लिए प्रेम भाव से परिपूर्ण है साथ ही अपनी कोमल वाणी में अन्याय के प्रति विरोध रूपी अग्नि को भी धारण करता है। कवि का निस्पृह भाव भी अभिव्यक्त हुआ है। वह अपने अभावग्रस्त जीवन को अभाव न मानकर स्वाभिमान पूर्वक जीवन व्यतीत करने में विश्वास करता है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ख) कला सौन्दर्य:–तुकान्त छन्द काव्य योजना की गई है। 'शीतलवाणी में आग' में 'विरोधाभास' अंलकार का प्रयोग किया गया है। खड़ी बोली के आम बोलचाल के शब्द है। परन्तु 'वाणी' जैसा तत्सम शब्द प्रयोग भी है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

10. कोई भी दो उत्तर स्वीकार्य ।

(क) जब बालक अत्यधिक तीव्र गति से बेसुध होकर दौड़ते हुए पतंग यहाँ से वहाँ उड़ाते हैं तो पृथ्वी उनके चरणों का स्पर्श पाकर प्रसन्न होती है और ऐसा प्रतीत होता है कि मानो पृथ्वी पर वे नहीं दौड़ रहे हैं अपितु पृथ्वी स्वयं ही उनके कोमल चरणों की ओर दौड़ी चली आ रही है।

(ख) जिस प्रकार घटा (बादल) और बिजली एक दूसरे के पूरक है, यदि घटा छाई है तो बिजली भी अवश्य चमकेगी। जो सम्बन्ध घटा और बिजली का है वही सम्बन्ध भाई और बहिन का होता है। इसी भाव को उपर्युक्त पंक्ति द्वारा दर्शाया गया है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ग) कवि के द्वारा भाव व विचारों को बीज रूप में चिह्नित किया गया है जो कल्पना रूपी श्रेष्ठ रसायन अथवा खाद को अनवरत ग्रहण करते हुए अपनी सत्ता को समाप्त करके एक उत्तम काव्य रचना के रूप में प्रस्फुटित हो जाता है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य। $1\frac{1}{2}\times2=3$

11. (क) जिस प्रकार हनुमान जी भगवान राम की सेवा में कोई चूक न करते हुए निस्वार्थ भाव से अनवरत सेवा कार्य करते थे, उसी प्रकार भक्तिन भी महादेवी जी की सेवा में निस्पृह भाव से लगी रहती थी। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ख) अपने आस–पास के ऐसे उदाहरण जो 'यथा नाम तथा गुण' ना हो उनका विश्लेषण परीक्षार्थियों द्वारा मौलिकता से दिए गए भावयुक्त उत्तर स्वीकार्य।

StudentBounty.com

(ग) भक्तिन का पूर्व नाम वैभव सूचक था जबकि वर्तमान में उसके पास वैभव का सर्वथा अभाव था। जबकि महादेवी जी द्वारा दिया गया नाम 'भक्तिन' उसके वर्तमान व्यक्तित्व के पूर्णत: अनुरूप था। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य। 2×3=6

अथवा

(क) वर्तमान समय में लोग अपनी स्वार्थ लिप्सा को परिपूर्ण करने में ही तल्लीन है। अधिकार प्राप्ति का पूर्ण प्रयास करते हैं परन्तु कर्त्तव्य पालन के प्रति पूर्ण उदासीन है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ख) भ्रष्टाचार की मात्र बातें न करके यदि पूर्ण निष्ठा से भ्रष्टाचार हटाने का प्रत्येक व्यक्ति सार्थक प्रयास करे तो पुन: एक सुन्दर समाज की रचना हो सकती है जिसमें किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अभाव न हो। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ग) काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी भी झमाझम बरसता है अर्थात् योजनाओं में धन आता है जन हितार्थ, परन्तु व्याप्त भ्रष्टाचार आम जनता तक उसका लाभ नहीं पहुँचने देता। इसीलिए आम जनता प्यासी की प्यासी रह जाती है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

12. कोई भी तीन उत्तर स्वीकार्य।

(क) 'वे लोग' से तात्पर्य-धन व बल युक्त व्यक्ति। इस प्रकार के व्यक्ति अपनी क्रय शक्ति की असीमितता के द्वारा बिना किसी आवश्यकता के खरीददारी करते हैं, जिसकी वजह से न तो व्यक्ति को लाभ होता है तथा न ही बाजार को। यह आचरण बाज़ारवाद, कपट तथा शैतानी इच्छाओं को बल देता है। इस भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ख) यह शब्द लुट्टन पहलवान ने इस लिए कहे कि वह जिन्दगी में किसी से नहीं हारा अर्थात् जीवन में सदैव संघर्ष करता रहा और बड़े-बड़े पहलवानों से भी चित नहीं हुआ था। अत: अपने गौरव युक्त जीवन के उज्ज्वल पक्ष को ही उद्घाटित करने वाले ये शब्द थे जो शिष्य द्वारा उनकी मृत्यु के समय बताये गये।

(ग) 'शिरीष के फूल' के माध्यम से हमें कोलाहल व संघर्ष से परिपूर्ण स्थितियों में भी अविचल रहकर जिजीविषु बने रहने की शिक्षा प्राप्त होती है क्योंकि शिरीष का फूल भी भीषण ग्रीष्म एवं आंधी में भी अविचल रहकर अपने सौन्दर्य को प्रकट करता रहता है जबकि अन्य पुष्प थोडी-सी भी विषम स्थिति में मुरझा जाता है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(घ) डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अनुसार भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी के प्रमुख कारण जाति प्रथा, जाति आधारित श्रम का दोषपूर्ण विभाजन एवं श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन बिना उनकी क्षमता का आकलन किये करना बताया है, जिससे उनकी स्वाभाविक प्रेरणा, रुचि व आत्मशक्ति दब जाती है, और अस्वाभाविक नियमों में आबद्ध मात्र निर्जीव यन्त्र बन जाते हैं। इससे उनका विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य। 3×3=9

खण्ड-घ

13. कोई भी दो उत्तर स्वीकार्य।

(क) यशोधर जी की पत्नी के चिढ़ने का एक मात्र यही कारण था कि उनके अनुसार यशोधर जी को विरासत में कोई विचार प्राप्त नहीं हुआ था। यशोधर जी जो कुछ भी बोलते थे वो मात्र किशनदा के वचन ही थे। किशनदा भी परिवार से कुछ विरासत प्राप्त न कर सके थे। क्योंकि उन्होंने भी अकेले ही अपने जीवन का अधिकांश भाग व्यतीत किया था।

(ख) लेखक के अध्यापक ने दरवाजे पर छाई मालती लता पर कविता लिखी थी। लेखक ने वह कविता और वह बेल दोनों ही देखी थीं, इसके कारण लेखक को लगता था कि अपने आस पास, अपने गांव और अपने खेतों में भी ऐसे दृश्य हैं जिन पर कविता लिखी जा सकती है, साथ ही अपने अध्यापक कवि को देखकर उन्हें यह भी विश्वास हो गया था कि कवि भी उनके तरह हाड़ माँस का ही आदमी होता है। लेखक द्वारा रची गई कविताओं

StudentBounty.com

को उनके अध्यापक ने सभा में भी उनसे गवाया था, इससे भी उनमें आत्मविश्वास की वृद्धि हुई। इस भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

(ग) कुलधरा-राजस्थान के जैसलमेर के मुहाने पर बसा हुआ एक खूबसूरत ग्राम है, जिसके सभी मकान पीले पत्थरों से बने हैं। इस ग्राम के सभी लोग करीब डेढ़ सौ साल पहले राजा से तकरार होने के कारण ग्राम को छोडकर चले गये थे। घर खण्डहर हो गए पर ढहे नही। उसी प्रकार जैसे मुअनजो-दड़ो के घर आज भी वीरान और खण्डहर होकर खड़े हैं। 3×2=6

14. कोई भी दो उत्तर स्वीकार्य।

(क) कुण्ड का पानी रिस न सके और बाहर का अशुद्ध पानी कुण्ड में न आए इसके लिए कुण्ड के तल में और दीवारों पर ईटों के बीच चूने और चिरोड़ी के गारे का प्रयोग किया गया था। पार्श्व की दीवारों के साथ दूसरी दीवार खड़ी की गई जिसमे सफेद डामर का प्रयोग किया गया । कुण्ड से पानी को बाहर निकालने के लिए नालियाँ हैं, जो पक्की ईंटों से बनी है तथा पक्की ईंटों से ही ढ़की हुई है।

(ख) लेखिका को प्रकृति बहुत गहराई से आकर्षित करती है, वह सोचती है कि प्रकृति अपने सम्पूर्ण सौन्दर्य को बिना भेदभाव के सब में वितरित करती है। छात्र इसी भाव वाले मौलिक उत्तर दे सकेगें।

(ग) यशोधर जी का मानना था कि अनुभव का कोई समस्थानिक नहीं है। बुजुर्गों के पास अनुभव की विशाल सम्पदा है। इसके लिए वे अपनी परम्पराओं को जीवित रखने के अनेक प्रयास, अपनी धनराशि से करवाते थे। यथा-होली मनाना, जनेऊ बदलवाना, रामलीला की तालीम के लिए एक कमरा दे देना आदि । 1½×2=3

15. 'डायरी के पन्ने' ऐन फ्रेंक द्वारा 1942 से 1944 के समाज में नारी की अत्यन्त दयनीय स्थिति को चित्रित करने वाला अध्याय है। यह सत्य है कि वर्तमान आधुनिक युग में शिक्षित नारी ने अपने कार्यों से समाज को प्रगति के नये प्रतिमानों से सुशोभित किया है। आज इक्कीसवीं सदी में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहाँ अनेक सामाजिक अवरोधों को तोड़कर नारी ने सफलता की नई इबारत न लिखी हो। इसी प्रकार के भाव वाले मौलिक उत्तर स्वीकार्य। 3

अथवा

लेखक आनन्द यादव अपने पिता के द्वारा बताए गए सारे कार्य यथा-खेती में पानी लगाना, ढ़ोर चराना, जुताई-बुवाई करना, आदि कार्य करते हुए भी हर कीमत पर पढ़ना चाहता था। उसे लगता था कि खेती से आजीविकोपार्जन असम्भव है। पढ़ने के बाद नौकरी करने से जीवन सरलता से चलाया जा सकता है। साथ ही साहित्य की दुनिया भी उसे आकर्षित करती है। अत: अपने पिता द्वारा लगाई गई कठोर परिश्रम की सारी शर्तों को पूर्ण करके भी वह पढ़ना चाहता है। इसी भाव वाले उत्तर स्वीकार्य।

●●